%%A. D. 1190‒1436

%%Ś. 1112‒1358

%%( From 1184—19-9-1264 A. D. )

%%p. 087

No. 052

Kūrmeśvara Temple at Śrīkūrmaṃ<1>

( S. I. I. Vol. V, No. 1318; A. R. No. 381-A of 1896 )

Ś. (P)

(१।) श्री [।।] शकवर्षवु......

(२।) ४७ गु नेंटि रावुतदेव<2>...ज-

(३।) य[रा]ज्यसंवत्स[र] १७...मि-

(४।) थुन शुक्ल श्रीएकादशि...त-

(५।) वारमुन वत्सगोत्र आ....देवि

(६।) आचंद्रार्क्कस्थाईगानु ...

(७।) श्रीकूम्मनाथदेवरा .....

(८।) निधिनि अखडदीपमु......

(९।) लानु पेट्टिन मल्लमा ५......

(१०।) उमा सभाकाय्यश केंद्र-

(११।) वर्षे वत्साख्यदामोदर-

(१२।) धर्म्मपत्नी [।।] श्रीकूर्म्मं[रू]-

(१३।) पेतु जले शयाने त-

(१४।) स्मै प्रदीपाय ददौ धरि-

(१५।) त्रीं ।

<1. On a slab to the left of the south entrance to the Bhoga-Manḍapa of this temple.>

<2. Rāvutadeva is a peculiar title used by Aniyaṅkabhīma II (A. D. 1211-2‒1238-9) only from which the Oriya ‘Raut’ is derived.>